Caritas® INDIA
The Joy of Service...

Sustain | Sustainable
Life | Livelihood
समृद्ध जीवनः सतत आजीविका

Campaign against Hunger & Disease 2020

"मैं इसलिए आया हूं कि वे जीवन प्राप्त करे–बल्कि परिपूर्ण जीवन प्राप्त करे।"

संत योहन 10:10

येसु के ये शब्द इस बात को बारम्बार दोहराते है कि मनुष्य के रूप में हम सब का जीवन सार्थक और संतोषप्रद हो। अपनी परिपूर्णता में जीवन केवल भौतिक धन और समृद्धि का अभिप्राय नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक प्रतिश्ठित और सम्मानजनक जीवन जीने के द्वारा जीवन का संपूर्ण आनंद लेने से परे है। दूसरे शब्दों में, हम सब के पास एक ऐसा जीवन हो जो सभी पहलु में लंबे अरसे तक चलनेवाला हो।

"स्थिरता" शब्द का यह अर्थ है कि वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के साथ साथ कोई समझौता किये बिना भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को पूरा करने की क्षमता रखना है। इसके तीन मुख्य पहलू हैः– पहला–पर्यावरण, दूसरा–सामाजिक(निश्पक्षता) और तीसरा–आर्थिक।

2030 की दीर्घकालिक विकास (Sustainable Development) कार्य–सूची में, लोगो, ग्रह और समृद्धि के लिए कार्रवाई की योजना पर केंद्रित है और इसके साथ वह अपने 17 दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों और 169 लक्ष्यों के साथ, सतत विकास के इन तीन पहलूओ को प्राप्त करना चाहता है।

अर्थव्यवस्था में हाल के असंतुलन से देश के गरीब और हर प्रांत पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। सामाजिक रूप से, भारतीय समाज विभिन्न जाति, धर्म, क्षेत्र और लिंग के संदर्भ में विभाजित एक अत्यधिक असमान समाज है जो भारत के विकास को नुकसान पहुंचाने की सूचना देता है । जहां तक पर्यावरण विस्तार का संबंध है, आज पूरी दुनिया को एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है और दुनिया भर के जलवायु कार्यकर्ताओं ने अब "जलवायु परिवर्तन" के बजाय "जलवायु संकटकाल" शब्द का प्रयोग करना शुरू कर दिया है। इससे हम समझ सकते है कि किस तरीके से हम इन चुनौतियों का सामना कर रहे है।

संत मत्ती के सुसमाचार में हम पढ़ते है "धन्य है वे, जो अपने को दीन–हीन समझते है! स्वर्गराज्य उन्हीं का है। (मत्ती 5:3) दुःखभोग के इस काल में हम सब के लिये यह उचित है कि हम गरीबों तक पहुंचें और उन्हें मजबूत बनायें। इस दौरान, कैरितास इंडिया इस तथ्य पर जोर देना चाहता है कि पारिस्थितिकी तंत्र (eco system) और अन्य सभी प्रणालियां, जैसे कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रणालियां परस्पर जुड़ी हुई है और एक दूसरे को प्रभावित करती है। इस प्रकार, यह समय की जरूरत है कि अमीर लोग गरीबों व वंचितों के साथ और शिक्षित लोग अशिक्षितों के साथ मिलकर कार्य करें।

अपने वार्षिक दुःखभोग अभियान 2020 के माध्यम से, कैरितास इंडिया, समृद्ध जीवनः सतत आजीविका (Sustain Life: Sustainable Livelihood invites) विषय पर ध्यान केन्द्रित करना चाहता है। इस अभियान में सभी को हाथ मिलाने तथा एक साथ आने के लिए प्रेरित करता है। इस तरह हम इस समाज में परिवर्तन ला सकेंगे। हमे एक ऐसी नीति अपनानी है कि प्रत्येक जन, हरेक की सहायता करने हेतु आगे बढें। हम

आपको निम्नलिखित तरीकों से हमारे साथ जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं।

- संवाद तथा अधिकारियों से संपर्क बनाने के लिए मंच स्थापित करना विशेष रूप से भूमिहीन किसानों को सहायता करने हेतु ।
- उद्योग विकल्पों को बढ़ावा देने के लिये उद्योगपतियों (कॉरपोरेट्स) के साथ संबंध स्थापित करना ।
- सभी युवा उद्यमियों को उनके पल्लियों में प्रोत्साहन देना।
- उत्पादकों और खरीदारों दोनों के लिये व्यापार सुविधाओं का निर्माण करना।
- आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए मौजूद कौशल को सुधारने हेतु कार्य करना।
- जमीनी स्तर पर हस्तक्षेपों का सर्मथन करने के लिए सहायता संगठन गठित करना।

इस संदर्भ में, 1962 में अपनी स्थापना के बाद से 'कारितास इंडिया', देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों में अपनी बहुआयामी उपस्थिति के माध्यम से, स्थायी आजीविका के निर्माण के लिये काम कर रहा है और कई लोगों के जीवन में सुधार ला रहा है। इसके अलावा वह 'Caritas India Livelihood और स्किल डेवलपमेंट' विषय पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। SDG 1-हर तरह की गरीबी को समाप्त करना । SDG 2-भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना

वर्श 2018–19 में पूरे देश में कैरितास इंडिया ,1078280 व्यक्तियों तक पहुंचा है, जिसमें छोटे भूमि धारक किसान, भूमिहीन किसान एवं महिला किसान शामिल है। आजीविका में सुधार के लिए एक बहुआयामी दृश्टिकोण का उपयोग करते हुए कैरितास इंडिया ने समुदाय आधारित संगठनों (Community Based Organisation) का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। किसानों के संघ, किसानों के मंचों और किसानों के उत्पादक संस्थाओं का संघटन किया है। कृशि और आजीविका को सशक्त बनाने और पर्याप्त पौश्टिक खाद्य आपूर्ति को पूरा करने के लिये, सीबीओ के मजबूत होने से परिवर्तन प्रकियाओं को बनाये रखा जा सकेगा। नियमित हस्तक्षेपों ने सरकार के साथ अच्छे संबंध स्थापित किये है, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय समुदायों द्वारा सरकारी योजनाओं और अधिकारों तक पहुंच बनाई गयी है। कैरितास इंडिया के अभिनव और वैज्ञानिक हस्तक्षेप के कारण किसानों के बीच खेती योग्य तकनीकों, कृशि उत्पादन और आय में वृद्धि हुई है। इसने खाद्य और पोशण सुरक्षा सुनिश्चित करने में कृशक समुदायों की मदद करने का लक्ष्य भी रखा है।

आइये हम इस दुःखभोग के काल में एक दीर्घकालिक जीवन को सक्षम करने के लिए (वित्तीय/गैर–वित्तीय रूप से) योगदान करने की प्रतिज्ञा करे। इसका अर्थ केवल गरीबी उन्मूलन नहीं है, बल्कि यह दूसरों की क्षमता और क्षमताओं का निर्माण भी करना है ताकि विचारधारा और संघर्ष का सामना किया जा सके। इसका यह भी अर्थ है कि हम सभी अपने जीवन को एक स्थायी दृश्टिकोण के साथ जीना शुरू करते है जैसे प्राकृतिक संसाधन के सतत उपयोग के द्वारा, यात्रा के लिये पर्यावरण के अनुकूल तरीकों का उपयोग करके कार्बन उत्सर्जन को कम करना, अपशिष्ट उत्पादों को कम करना/पुनर्चक्रण करना, समुदाय के नेतृत्व वाली पहल को समर्थ करना।

आखिरकार, एक आदर्श समाज में, प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे की भलाई के लिए कार्य करता है। इसलिए, आइये हम एक साथ आएं और अपनी छोटी सी भूमिका निभाये। आईए, अपना सहयोग दें!

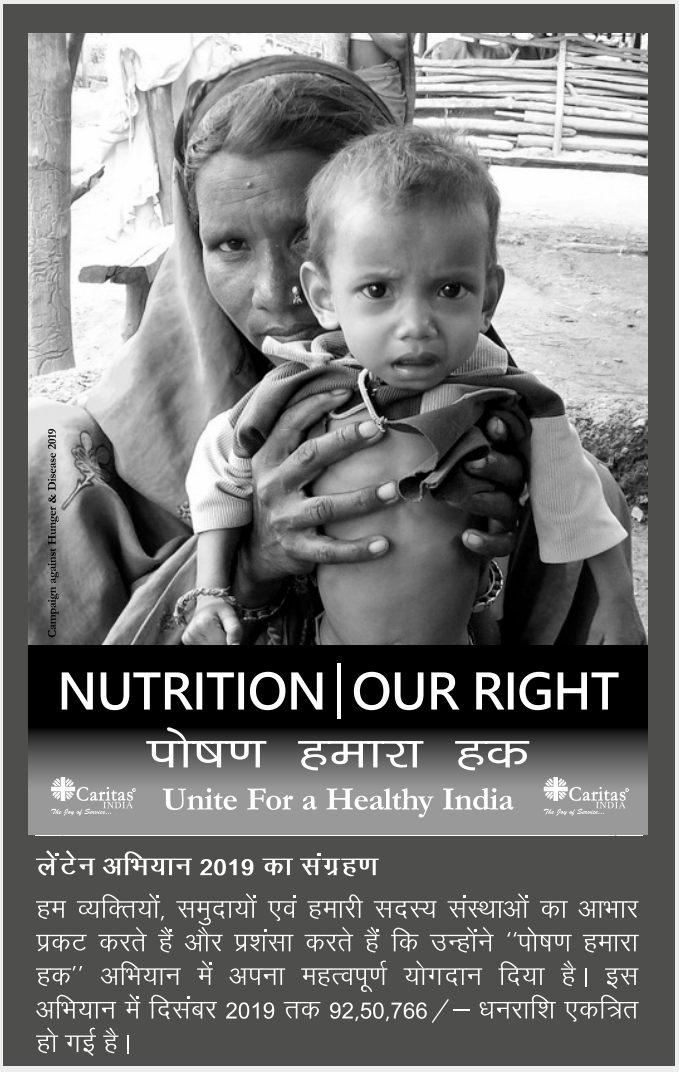

लेंटेन अभियान 2019 का संग्रहण

हम व्यक्तियों, समुदायों एवं हमारी सदस्य संस्थाओं का आभार प्रकट करते हैं और प्रशंसा करते हैं कि उन्होंने ''पोषण हमारा हक'' अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अभियान में दिसंबर 2019 तक 92,50,766/– धनराशि एकत्रित हो गई है।

सीबीसीआई सेंटर, 1 अशोक प्लेस,
गोल डाकखाने के नजदीक, नई दिल्ली–110001
फोन–011 23742339, ईमेलः director@caritasindia.org
Web: www.caritasindia.org